240वें सत्र से संबंधित समापन भाषण

श्री सभापति: 18 जलाई को 240वें सत्र की शुरुआत उच्च आकांक्षाओं के साथ हुई। मुझे कहते हुए बहुत खुशी है कि यह सत्र बहुत सफल रहा। इसमें राष्ट्रीय सरोकारों पर बहसें हुईं और कई विषयों पर चर्चा की गई। इसमें रचनात्मक बहसों के जरिए मुद्दों को उठाने और जनमानस की भावनाओं को प्रदर्शित करने और विधि निर्माण के लिए विविध प्रक्रियागत उपकरणों का प्रभावी ढंग से उपयोग किया गया।

सभा की 20 बैठकें हुईं जिस दौरान 112 घंटों से भी अधिक समय तक सभा में विचार-विमर्श हुआ।

इस सत्र के दौरान, सभा में 59 निर्वाचित, पुनर्निवाचित और नाम-निर्देशित सदस्य सभा के सदस्य बने।

इस सत्र में कुछ महत्वपूर्ण बातें हुईं। इसमें 300 तारांकित प्रश्न हुए और उन पर 333 अनुपूरक प्रश्न भी पूछे गए। यह प्रसन्नता का विषय है कि लगभग सभी दलों को अनुपूरक प्रश्न पूछने और प्रश्न काल में भाग लेने के अवसर प्राप्त हुए।

प्रश्नों के अलावा, सदस्यों ने शून्य काल के दौरान व्यक्तिगत तौर पर लोक महत्व के अविलंबनीय मुद्दे उठाए। इस सत्र के दौरान शून्य काल में 120 मुद्दे उठाए गए जिसमें से 21 पर मंत्रियों द्वारा तत्काल प्रतिक्रिया व्यक्त की गई। साथ ही सदस्यों ने 91 विशेष उल्लेखों के जरिए लोक महत्व के मामलों पर अपनी-अपनी चिंताएं व्यक्त की।

वित्त, श्रम और रोजगार, कृषि और किसान कल्याण, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण, मानव संसाधन विकास, पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन, कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन, सामाजिक न्याय और अधिकारिता और विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालयों से संबंधित कुल 14 सरकारी विधेयक पारित हुए। सभा में संविधान 122वां (संशोधन) विधेयक, 2014 पर विचार तथा पारण के दौरान जीवंत बहस हुई।

कश्मीर घाटी में हुई हिंसा की घटनाओं ने पूरे सदन का ध्यान खींचा। यह चर्चा दस घंटों में दो दिनों तक चली। कश्मीर घाटी की मौजूदा स्थिति पर सभा द्वारा सर्वसम्मति से संकल्प पारित किया गया; जिसमें जम्मू और कश्मीर में समाज के सभी तबकों से यह अपील की गई कि सामान्य स्थिति और सौहार्द्रता की शीघ्र बहाली के लिए काम करें ताकि विशेषकर युवाओं में पुनः विश्वास कायम किया जा सके।

अल्पकालिक चर्चा के रूप में दलित उत्पीड़न संबंधी मामले, महंगाई, आंध्र प्रदेश पुनर्गठन अधिनियम, 2014 के कार्यान्वयन की स्थिति, उत्तराखंड और अरुणाचल प्रदेश की घटनाओं के आलोक में राज्यपालों की भूमिका और राष्ट्रीय शिक्षा नीति के प्रारूप पर विचार -विमर्श हुआ। इस बात पर सभी का एक मत है कि चर्चा का स्तर बहुत ऊंचा था।

सत्र के दौरान सदस्यों को लोक महत्व के चार ध्यानाकर्षण प्रस्तावों तथा भारतीय वायु सेना द्वारा प्रचालित एएन-32 कोरियर विमान के गायब हो जाने के संबंध में मंत्री द्वारा दिए गए वक्तव्य पर और सार्क देशों के आंतरिक/गृह मंत्रियों की 7वीं बैठक में भाग लेने के लिए गृह मंत्री के पाकिस्तान दौरे पर भी स्पष्टीकरण मांगने के अवसर प्राप्त हुए।

सत्र के दौरान इस सभा में 14 गैर-सरकारी विधेयक पुर:स्थापित हुए और सभा के कुछ माननीय सदस्यों द्वारा पुर:स्थापित विधेयकों और संकल्पों के जरिए कुछ महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चाएं हुईं।

मैंने महासचिव से सत्र से संबंधित सूचनात्मक आंकड़े उपलब्ध कराने को कहा है।

मैं सभा के समग्र कार्यसंचालन में सभा के नेता, विपक्ष के नेता, विभिन्न दलों और समूहों के नेताओं और माननीय सदस्यों का उनके द्वारा दिए गए सहयोग के लिए उन्हें धन्यवाद देता हूं।

मैं उप-सभापति, उपसभाध्यक्षों के पैनल के सदस्यों और सचिवालय के अधिकारियों और कर्मचारियों को भी उनकी सहायता और सहयोग के लिए धन्यवाद देता हूं।